मिशन शिक्षण संवाद

कन्या भ्रूण हत्या

एक अभिशाप

द्वितीय भाग

जागरूकता गीत

संकलन

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज-इतनी शक्ति हमें देना दाता..

भ्रूण हत्या होने दो ना माता,
इतनी कमजोर तुम तो बनो ना।
बेटी बनके जो आई गर्भ में,
मेरा क्या दोष इसमें कहो ना।।

बेटी का जन्म ले,माँ बनी है,
बेटी को ही मिटाने चली है।
बेटा ही गर कुलों को चलाते,
बेटी बिन भी न दुनिया चली है।
ढाल ममता को अब तू बना ले,
तेरी बेटी का अब अन्त हो ना।।

01

स्वप्न पूरे करूँगी मैं तेरे,
तू भरोसे की बस रोशनी दे।
तेरी छाया मैं बनके चलूँगी,
जन्म देकर मुझे ज़िन्दगी दे।
नाम सबका करूँगी मैं रोशन,
मुझको दुनिया मे आने तो दो माँ।।

रचना-पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा०वि०संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज- बाबुल की दुआएँ लेती जा*

माँ कोख में मुझको मत मारो,
मैं भी खुशियों संग आऊँगी।
अरदास सुनो हे परमेश्वर,
पावन इस घर को बनाऊँगी।।

हे पिता मेरी विनती सुन लो,
मैं हूँ ईश्वर की ही रचना।
रूखा सूखा जो दे देंगें,
संतोष करूँगी कुछ कहूँ ना।
यह सोच उदर में काँप रही,
कैसे मैं बाहर आऊँगी,माँ...

जीवनदात्री माँ तुम सुन लो,
तुम तो हो करुणा की छाया।
मुझको कैसे मारोगी माँ,
नानी ने तुमको भी जाया।
ब्रह्मा जी की मैं पावन कृति,
भैया को तिलक लगाऊँगी,माँ...

02

सपने पाले हूँ, बहुत अधिक,
पढ़ लिखकर नाम बढ़ाने को।
दो कुल की मर्यादा बनकर,
अरमान है अच्छा कर जाने को।
तेरी आँगन की चिड़िया हूँ,
किसको यह व्यथा सुनाऊँगी, माँ..

उमेश गौतम (प्र0अ0)
प्रा0वि0रामपुर
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज – आये हो मेरी ज़िंदगी मे तुम बहार बन के

आऊँगी तेरी ज़िन्दगी में एक प्रकाश बन के,
मुझको संभाले रखना माँ,
मुझको संभाले रखना माँ तुम अपनी छाया समझ के।।
आऊँगी तेरी ज़िन्दगी में एक प्रकाश बन के.......

तेरे रक्त से बनी हूँ, आशा से मैं भरी हूँ,
जीवन की नयी जोत से, सपने सँजोए हुई हूँ।
अपनी कोख में ही रखना माँ,
अपनी कोख में ही रखना माँ,अपनी परछाई समझ के।।
आऊँगी तेरी ज़िन्दगी में एक प्रकाश बन के........

03

अजन्मी कन्या हूँ मैं, तेरी कोख में पली हूँ,
भ्रूण हत्या तुम मत करना, इस महापाप से तुम बचना।
जन्म दे के मुझको लाना संसार में तुम अपने।।
आऊँगी तेरी ज़िन्दगी में, एक प्रकाश बन के,
मुझको संभाले रखना माँ,
मुझको संभाले रखना माँ, अपनी छवि समझ के।
आऊँगी तेरी ज़िन्दगी में एक प्रकाश बन के।।

इला सिंह (स0अ0)
कम्पोजिट वि0 पनेरुआ
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज–होठों से छू लो तुम

मुझे कोख मे मत मारो, मेरा जनम सुफल कर दो।
नानी की जायी हो तुम अपना करम कर दो।।

मजबूरी कैसी है माँ मुझको बता तू जरा,
क्या जनक नही चाहे मै आऊँ पूज्य धरा।
माँ देके जनम मुझको,कर्तव्य अमर कर दो।।
मुझे कोख....................

04

बेटा अरु बेटी मे क्यों फर्क किया है जाता,
बेटे के खातिर क्यों बेटियों को मारा जाता।
यह सोच बेमानी है इसको ही दफन कर दो।।
मुझे कोख.........................

माँ-बाप के अरमानों को पंख लगा सकती हूँ,
बेटे की तरह मै भी निज फर्ज निभा सकती हूँ।
जग मे लाकर मुझको एहसान जरा कर दो।।
मुझे कोख में.................

राजेश तिवारी रंजन (स0अ0)
पूर्व मा0वि0 महुआ–२
महुआ, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़ -परदेसियों से ना अखियां मिलाना

लिंग परीक्षण न देखो कराना
कन्या को कोख में न तुम गिराना।

औरत न होती तो तुम कैसे होते
औरत से ही सबके जन्म है होते
बेटे की लालच में भ्रूण जांच न कराना
कन्या को कोख में न तुम गिराना...

05

बेटी भी अब बने माँ बाप का सहारे
बेटी को फिर क्यों कोख में मारे
इनका भविष्य भी है हमको बनाना
कन्या को कोख में न तुम गिराना....

कोख में लिंग का परीक्षण कराओ
बेटी को मारो बेटा दुनिया में लाओ
है ये बुराई इसे हमको है मिटाना
कन्या को कोख मे न तुम गिराना...

शहनाज बानो (स.अ.)
Pmv- भौरी, क्षेत्र- मानिकपुर
जनपद- चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़-होठों से छू लो तुम....

मत मारो मुझको तुम,
संतान तुम्हारी हूँ।
मुझे जन्म तो दो माता,
घर की उजियारी हूँ।।

एक जीव कोख जन्मा,
वह नहीं अभी पनपा।
साँसे माँ संग लेकर,
माँ लहू तेरा पीता।
आवाज सुनो मेरी माँ,
क्यों लगती भारी हूँ।।
मत हत्या करना तुम,
मैं जन्म चाहूँ लेना।
मात-पिता ममता की,
छाया मुझको देना।
अजन्मी अविकसित हूँ,
तुम सबकी प्यारी हूँ।।

06

नैमिष शर्मा(स०अ०)
परि०संवि०वि० तेहरा
वि०ख० व जनपद-मथुरा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

'मिशन शिक्षण संवाद'

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़- एहसान तेरा होगा मुझ पर

एहसान तेरा होगा मुझ पर
दिल चाहता है जो कहने दो,
मैं कोख में तेरी पलती हूँ मुझे कोख
में तेरी रहने दो।
एहसान ....

07

तुम ही तो मेरी ताकत हो माँ हिम्मत न अब हारो तुम,
बोझ नहीं हूँ माँ मुझको यूँ कोख में न मारो तुम,
आने तो दो दुनिया में मुझको नाम रोशन अपना करने दो।
मैं कोख में तेरी पलती हूँ मुझे कोख में तेरी रहने दो॥
एहसान...............

तज कर हर डर कुछ तो खुद पर माँ मेरी विश्वास करो,
मैं बच जाऊँ कैसे भी बस थोड़ा सा तो प्रयास करो,
मैं खून हूँ तेरा ओ मेरी माँ ख़ुशियों से आँचल भरने दो।
मैं कोख में तेरी पलती हूँ मुझे कोख में तेरी रहने दो॥
एहसान ....

रचना- गीता यादव (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मुरारपुर
देवमई, फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़-सूरज कहूँ या चंदा.....

चाहे बेटा हो या बेटी,
तेरा जन्म ही सबसे न्यारा।
मेरी आँखों के तारे हो,
जग में आना हर बारा।।

गर बेटी को मारोगे,
मेरी आत्मा शोक करेगी।
गर पृथ्वी पर न आई,
माँ जीते जी मरेगी।।
नही सबको मिलता मौका,
वरदान मिले न दोबारा।
फिर भी बेटी मारोगे,
दुत्कारे जग ये सारा।।

हद से गुज़र चुके अब,
मानवता शर्म करेगी।
अभिशाप नहीं है बेटी,
तेरी बुद्धि कब समझेगी।।
जो कोख में मारोगे तो,
न ये क्यारी बने दोबारा।
बेबस माँ करेगी श्रापित,
न हीरा मिलेगा प्यारा।।

08

आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी, मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़-हुस्न हाजिर है

09

मैं वो शक्ति हूँ ,
जो जरूरी सृष्टि चलाने को।
मुझे कोख में ना मारो,
अभी जी लेने दो।।

मेरे कदमों को न,
दुनिया में आने से रोको।
मैं तो लक्ष्मी हूँ,
ना मेरा तिरस्कार करो।
बहुत लायक हूँ मैं,
गुणों की खान हूँ मैं।
मुझे दुनिया में लाओ ,
बहुत काबिल हूँ मैं।
क्यों चले आएं हो?
फिर भ्रूण की जाँच कराने को।
मुझे कोख में न मारो,
अभी जी लेने दो।।

मैं वो शक्ति हूँ,
जो जरूरी सृष्टि चलाने को।
मुझे कोख में न मारो ,
अभी जी लेने दो।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा०वि० टिकरी मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज- कोई पत्थर से न मारे मेरे दीवाने को

10

कोई कोख़ में ना मारे कन्या भवानी को-2
कन्या को भी इस जग में आने दो लोगों,
जीवन हक़ है,जीने का मौका उसको दो लोगों।
बहुत नाज़ुक है ये, तुम्हारा खून है ये,
ख़ुदा का ख़ौफ़ उठाओ बहुत मासूम है ये।
क्यों भ्रूण जाँच कर बेटी पर सितम ढाते हो,
कोई कोख़ में न मारे ....

कर्मों का सौभाग्य है जो जन्म कन्या का होगा,
बेटे ने क्या दिया ? कन्या ने क्या छीन लिया?
सोच तुच्छ सूली चढ़ा दो या शोलों पे जला दो,
अपराधी नहीं है बेटी तो फिर क्यों ऐसी सज़ा दो।
बख़्श दो जीवन इसको जग में आ जाने को,
कोई कोख़ में न मारे ....

मान सम्मान तुम्हारा बेटी भी बढ़ा सकती है,
बेटे की तरह बेटी भी फ़र्ज़ निभा सकती है।
पुरानी धारणा बदलो, नई सोच अपनाओं,
बेटी तुम्हें आज़माएं,तुम बेटी को आज़माओ।
बेटी बेचैन है तुम्हारी दुनिया में आने को,
कोई कोख़ में न मारे ....

ज्योति चौधरी (स०अ०)
प्रा०वि० इस्लाम नगर
वि०ख० व जनपद-मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़-किसी मेहरबान ने आके मेरी जिंदगी....

इसे कोख में न मारो,
यह अब नहीं बेचारी।
अब आज के समय में,
यह विमान भी उड़ाती।
इसे कोख में...

कन्या की भ्रूण हत्या को,
अब रोको सब मिलकर।
होती नहीं हैं अबला,
बढ़ती हैं साथ चलकर।
रोकें इनकी हत्या को,
सबको यह बात है बतानी।
इसे कोख में...

आते हैं खुशी के मौसम,
उजाले का लाती आलम।
सब प्यार से करो अब,
कन्या का लालन-पालन।
भ्रूणहत्या को रोककर,
इनकी है जिंदगी बचानी।
इसे कोख में ...

11

अशोक कुमार (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय रामपुर
कल्याणगढ़,मानिकपुर,चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़- संसार है एक नदिया

12

माँ से पूछे बेटी, क्यों बेटा प्यारा है,
क्या दोष था माँ मेरा, मुझे गर्भ में मारा है।

माँ मेरी तमन्ना थी, संसार में आऊँगी ,
आँगन की बनूँ तुलसी, तेरे घर को सजाऊँगी।
आज मेरी आँखों से, बहे आँसू धारा है,
क्या दोष था माँ मेरा, मुझे गर्भ में मारा है।।

माँ मेरी किस्मत थी, देती हूँ दुहाई मैं,
राखी ना बांध सकी, भैया की कलाई में।
तुझे पता नहीं मइया, तूने जुल्म गुज़ारा है,
क्या दोष था माँ मेरा, मुझे गर्भ में मारा है।।

बारात मेरी आती, डोली लाते सजना,
जब शहनाईयाँ बजती, मेरे बाबुल के अँगना।
माँ मेरी किस्मत का क्यों टूटा तारा है,
क्या दोष था माँ मेरा, मुझे गर्भ में मारा है।।

मन्जू शर्मा(स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़- आपके प्यार में हम सँवरने लगे

कन्या भ्रूण हत्या है ये अपराध,
इसको रोकने का कर लो प्रयास।

हत्या जो इनकी तुम कर जाओगे,
देखना बहुत ही पछताओगे।--2
सुन लो जरा बाते मेरी अब तुम गौर से,
न तुम कभी फिर रोना किसी और से।
जन्म इनका सुरक्षित हो ये कर लें प्रयास।।

13

संख्या इनकी जो कम हो जाएगी
तुम्हारे कुल की प्रगति ठप्प हो जाएगी।--2
इनको पढ़ा के इनको लिखा के बढ़ने दो शौक से,
दूर करे ये तुमको दुःख के शोक से,
कल का ये भविष्य ये देखो है आज।।

सुधांशु श्रीवास्तव
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़-हम भूल गए रे हर बात...

कन्या करती है पुकार,
मुझे बेमौत मत मारो।
मुझे देखने दो संसार,
मुझे बेमौत मत मारो।।
तुमने सृजन किया है मेरा,
फिर क्यों मुझसे प्यार नहीं?
पैदा होने का हक मैं माँगूं,
और कोई अधिकार नहीं।
मुझे दे दो ये अधिकार,
मुझे बेमौत मत मारो।।
मुझे देखने दो संसार....
आऊँगी जब मैं दुनिया में
घर आंगन को महकाऊंगी,
है सृष्टि सारी बसी मुझमें,
ये दुनिया को समझाऊंगी।
माँ पत्नी बहन का दूँ प्यार,
मुझे बेमौत मत मारो।।
मुझे देखने दो संसार.......

बेटा है अगर सहारा तो,
बेटी ममता की मूरत है।
दुनिया को आगे बढ़ाने को,
बेटी की भी जरूरत है।
मुझे चाहिए थोड़ा प्यार,
मुझे बेमौत मत मारो।।
मुझे देखने दो संसार.......

14

दीपक कौशिक (स०अ०)
प्रा०वि० भीकनपुर बघा
कुंदरकी, मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़- मुबारक़ हो तुमको ये

जन्मने पातीं नहीं क्यों देश में ये बेटियाँ?
मार दी जाती हैं क्यों गर्भ में ये बेटियाँ?

कब मिटेगी मानसिक विकलांगता इस देश से,
कब मिटेगी भावना लिंगभेद की इस देश से।
खोल आँखें देख लो, हैं कम नहीं ये बेटियाँ,
जन्मने पातीं नहीं क्यों देश में ये बेटियाँ?

कन्याओं की भ्रूण हत्याएँ कब रोकेंगे हम,
लिंगभेद की बीमारी से कब उबरेंगे हम।
इस सृष्टि का आधार- स्तम्भ हैं ये बेटियाँ,
जन्मने पातीं नहीं क्यों देश में ये बेटियाँ?

15

समय आ गया अपनी दूषित सोच बदलने का,
समय आ गया बेटी को अधिकार दिलाने का।
माँगें अधिकार जीने का ये प्यारी बेटियाँ,
जन्मने पातीं नहीं क्यों देश में ये बेटियाँ?

अनार सिंह वर्मा(अध्यापक)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय
नगला गोदी (कासगंज)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान। मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़-चुरा लिया है तुमने जो....

समझाओ न माँ तुम अपने दिल को,
कोख में न मारो, तुम्हें है कसम।
दे दो मुझको तुम ज़िंदगानी,
मैं भी देखूँ प्यारा चमन।
न बनो क़ातिल, हाय मेरा क़ातिल
हाय क़ातिल बनकर कैसा जीना
समझाओ ना.....

रौनक बनकर आऊँ,
मैं तुम्हारे आँगन में।
मुस्कान से भर जायेगा दिन,
खुश हूँ इसी तमन्ना में।
तुम मेरी माँ हो! हाँ मेरी माँ हो!
आज तुम मुझको ना तड़पाना।
समझाओ ना ....

कब तक रहेगी ज़िंदगी,
यूँ ही ख़तरे में।
अब तो मुझको भी,
जीने का हक़ दे दो।
है बेटी क्या इस जहाँ को,
एक दिन सुनाऊँगी मैं अफ़साना।
समझाओ ना.....

16

रुखसाना बानो (स०अ०)
पू०मा०वि०अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़-भला किसी का कर ना सको

17

बाबा मुझको भी जीने दो,
कुछ तो रोशन कर पाऊँगी।
लक्ष्मी भले ना बन पाऊँ मैं,
पर सैनानी तो बन जाऊँगी।।

कल्पना चावला बन आसमान में,
शायद मैं ना उड़ पाऊँ।
पर जीवन की बगिया को,
फूलों-कलियों से महकाऊंगी।।

हत्या कर के कोख में मेरी,
क्या कर्तव्यों से बच जाओगे।
या फिर डरते हो कि कैसे,
सम्हाल कलयुग में पाओगे।।

मैं कोई बोझ नहीं माँ,
मुझ पर तुम विश्वास करो।
धीरज रखो आने दो मुझको,
इतना तुम उपकार करो।।

फर्ज़ पूरे सभी करूंगी,
मर्यादा कभी ना लाघुंगी।
भ्रूण हत्या है पाप जघन्य,
कोख ना यूँ संहार करो।।

राजीव कुमार गुर्जर (प्र०अ०)
प्रा०वि० बहादुरपुर राजपूत
कुंदरकी, मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़- आदमी मुसाफ़िर है

भ्रूणहत्या हो गया है जुर्म इक सारी धरा पर।
इंच भर भी आदमी है नहीं इससे डरा पर।।

बेच कर खुशियाँ पढ़ाया बाप ने अपनी सभी,
घूमते बेटे निठल्ले हैं बेटियों पर आस पर।।

जन्म बिटिया का हुआ तो रंग देखे कई मगन,
बढ़ गई थोड़ी सी चिन्ता हो गया आँगन हरा पर।।

बोझ कंधों पर लिए है दो पीढ़ियों का बेटी मगर,
कर रहा है भ्रूण हत्या आदमी हो बावरा पर।।

18

बेटियाँ घर को बनातीं एक शिल्पी की तरह,
बेटियाँ ना हों तो समझो आदमी है अधमरा पर।।

ये पता है अंत खुद का एक दिन होगा जरूर,
मौन होकर लेटना है हर किसी को मकबरा पर।।

फाग में पतझर सा जीवन एक बेटी के बिना,
खाली तिजोरी सा लगे हो भले पूरा भरा पर।।

नरेन्द्र वर्मा 'मगन'(प्र०अ०)
प्रा०वि०नगला भण्डारी
कासगंज

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़- आपस में प्रेम करो देशप्रेमियों

क्षुद्र सोच को बदलो,
जीवन को सुखमय कर लो।
मान्यता पुरानी त्यज लो,
तुम राष्ट्र निर्माता हो देश प्रेमियों।
कन्या भ्रूण को बचाओ,
मेरे देशप्रेमियों ।

सोचो सुख-दुःख से,जीवन का नाता है,
पर क्या कोई प्राणी,इससे बच पाता है?
कन्या भ्रूण को मारते जाएं,
तो भविष्य कैसा होगा?
बिन कन्या ना वंश बढ़े,
कैसे समाज उन्नत होगा?
कन्याओं को जीवन दो। मेरे ....

19

मौका दो पढ़ने का,तुम कन्याओं को,
मत रोको,बढ़ने दो उनकी इच्छाओं को।
जो चाहोगे उससे बढ़कर,
कन्याएं दिखला देंगी।
मोक्ष और मुक्ति रूपी,
जीवन यश को फैला देंगी।
मानव जन होश करो। मेरे......

अरविन्द कुमार सिंह(स0अ0)
प्रा0वि0धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज- दुनिया बनाने वाले..

आज माँ कह दूँ सबसे,
बेटी के दिल की दुहाई,
मुझ पर क्यों न ममता लुटाई -2

काहे करवाए मेरे तन के टुकड़े,
किसी से कहे न तूने अपने दुखड़े,
काहे छोड़ा तूने मुझको अकेला -2
क्यों न दिखाया मुझे दुनिया का मेला,
दुनिया तमाशा देखे वाह रे तेरी खुदाई,
मुझ पर क्यों न ममता लुटाई -2

20

तू भी तो तड़पी होगी सबसे छुपाकर,
तूफां भी प्यार का मन में दबाकर,
ये भी बता दे गलती क्या थी माँ मेरी -2
मै भी तो रौशन करती दुनिया ये तेरी,
क्यों न दी सबको अपनी ममता की दुहाई,
मुझ पर क्यों न ममता लुटाई -2
आज माँ कह दूँ ---

रचना- अर्चना अरोड़ा (प्र अ)
प्रा वि बरेठर खुर्द,
खजुहा,जनपद - फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़- तेरे नाम हमने किया है

बेटी हूँ,मारो मुझे न,
लेना चाहूँ मैं तो जनम, हो ओ ओ
लेना चाहूँ मैं तो जनम।
ऐसी क्या मेरी ख़ता है,
किये ऐसे क्या मैंने करम, हो ओ ओ
किये ऐसे क्या मैंने करम।

मैं अजन्मी तेरे तन का हिस्सा हूँ,
भूल गयी माँ जैसे कोई किस्सा हूँ।
मैं तो तेरी गोद में आना चाहूँ माँ,
तेरी छाया बनकर जीना चाहूँ माँ।
तेरी सुता-2 तेरी सुता बनेगी सहारा,
लेगी जब-जब धरा पर जनम।

21

जन्म मुझे जब प्यारी माँ तू देती है,
बेटे सी ही पीड़ा तब तू सहती है।
ये समाज का डर क्यों तुझे सताता है,
प्यार पे मेरे भारी वो पड़ जाता है।
वादा कर-2 वादा कर अब न डरेगी,
देगी बिन भय के मुझको जनम।
बेटी हूँ,मारो मुझे न............

पूजा सचान(स०अ०)
EMPS मसेनी
बढ़पुर,फर्रुखाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज़- फूल तुम्हें भेजा है खत में

भ्रूण हत्या को रोको जग में,
जीने का उनको हक है।
कम मत आंको बेटी को तुम,
बेटी भी कुल का दीपक है।
अंश नहीं क्या वह तुम्हारी,
फिर क्यों उसको ठुकरायें।
वो जगा देगी भाग्य तुम्हारा,
राह शिक्षा की मिल जायें।
भ्रूण हत्या को............

चैन तुम्हें कैसे आयेगा,
बेटी को गर्भ में मार।
सोच पुरानी है तुम्हारी,
घर का ढोती बेटी भार।
भेदभाव मिल दूर करेंगे,
दो उन्हें सम अधिकार।
भेद नहीं कोई अब होगा,
ईश्वर का बेटी उपहार।
भ्रूण हत्या को.....

22

प्रतिभा चौहान (स०अ०)
प्रा०वि०गोपालपुर
डिलारी, मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज-न कजरे की धार, न मोतियों के हार..

23

न मारो बारम्बार,
मुझे लेने दो अवतार
जमाना सुन ले मेरी पुकार,
मैं भी ज्ञान की मूरत हूँ
मैं ममता की सूरत हूँ
न मारो ....

जब जन्मूंगी धरती पर ,
महकाऊँ घर और अंगना ।
माँ की देखूँ भोली सूरत,
सुनू चूड़ी पायल -कंगना ।
जमाना क्यों छीने सौगात,
मुझे देखन दे संसार।।
मैं भी ....

जब सीखूंगी मैं चलना,
पग धरूंगी डगमग -डगमग।
शुरू होगा गिरना -चलना ,
गिरकर के फिर से संभलना।
पापा थामना नन्हा हाथ ,
उस पल तुम देना साथ। ।
मैं भी.....................

मैं चढूं सम्मान शिखर पर,
लहराऊँ तिरंगा प्यारा।
ये है भारत की बेटी ,
जानेगा जमाना सारा।
माँ तेरा बढ़ाऊँ मान,
और पापा का सम्मान।।
मैं भी...................

रचना-सीमा सैनी (प्र.अ)
प्रा0वि0 पीलुआ सादिकपुर
ब्लाक -फरह, जनपद -मथुरा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज-राम कहानी सुनो रे राम कहानी.....

24

बात हमारी,सुनो जी
बात हमारी।
कोख में न मारो बेटी,
कुल उजियारी।।
बात हमारी सुनो जी..

ये घर आँगन की शोभा,
खुशियों के फूल खिलाये।
बड़भागी है वो आँचल,
जिस घर मे बिटिया आये।
बनती सावित्री, सीता यही झलकारी।
बात हमारी सुनो जी..

ये सकल सृष्टि की आशा,
लक्ष्मी का रूप बन आये।
संस्कार,सभ्यता,संस्कृति के
विविध रूप दर्शाए।
अधूरी है इसके बिना दुनिया ये सारी।
बात हमारी सुनो जी...

रचना-आर.के.शर्मा(प्र.अ.)
UPS,चित्रवार, मऊ
जनपद-चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान,
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

कन्या-भ्रूण हत्या जागरूकता गीत

तर्ज-तुम अगर साथ देने का वादा करो..

बुद्धि जीवियों! जगो देश के सोचो और विचारो,
लिंग विषमता क्यों भारत में मिलकर राह सँवारो।

हत्याएं कन्या भ्रूणों की इसकी उत्तरदायी ,
मानसिक स्तर पर हमने आजादी कुछ न पाई।
बड़ी समस्या ये भारत की मिलकर दशा सुधारो,
बुद्धि जीवियो !जगो देश के सोचो और विचारो।

अब भी अगर नहीं चेते तो होगी विपदा भारी,
कैसे फिर परिवार बनेगा ना होगी जब नारी।
यही प्रश्न सामने खड़ा है इसकी ओर निहारो,
बुद्धिजीवियो ! जगो देश के सोचो और विचारो।

25

नहीं कोख में मारें कन्या नारी का सम्मान करें,
शिक्षा-दीक्षा,संस्कार से उसका अभ्युत्थान करें।
आज जरूरत है बेटी को मन से जरा दुलारो,
बुद्धिजीवियो! जगो देश के सोचो और विचारो।

रचना-प्रवीणा दीक्षित
KGBV,कासगंज

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

• रचनाकारों की सूची •

1-पुष्पा पटेल,चित्रकूट
2-उमेश गौतम,चित्रकूट,
3-इला सिंह,फतेहपुर,
4-राजेश तिवारी,बाँदा
5-शहनाज बानो, चित्रकूट
6-नैमिष शर्मा,मथुरा
7-गीता यादव,फतेहपुर
8-आयुषी अग्रवाल,मुरादाबाद
9-सुमन पांडेय,फतेहपुर
10-ज्योति चौधरी,मुरादाबाद
11-अशोक कुमार,चित्रकूट
12-मंजू शर्मा,हाथरस
13-सुधांशु श्रीवास्तव,फतेहपुर
14-दीपक कौशिक मुरादाबाद
15- अनार सिंह वर्मा,कासगंज
16-रुखसाना बानो, मिर्जापुर
17-राजीव कुमार गुर्जर,मुरादाबाद
18-नरेन्द्र वर्मा 'मगन',कासगंज
19-अरविन्द कुमार सिंह,वाराणसी
20- अर्चना अरोड़ा, फतेहपुर
21- पूजा सचान, फर्रुखाबाद
22-प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद
23- सीमा सैनी, मथुरा
24-आर के शर्मा चित्रकूट
25-प्रवीणा दीक्षित, कासगंज

• टेक्निकल टीम •

- प्रांजल सक्सेना
- नवीन पोरवाल
- ज्योति कुमारी
- शिवम सिंह
- वीरेन्द्र परनामी
- साकेत बिहारी शुक्ल
- वन्दना यादव 'ग़ज़ल'